जैनागमों में परमात्मवाद

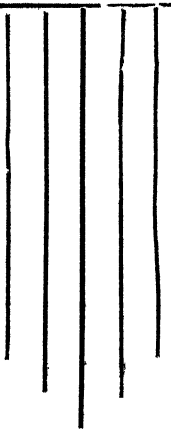

लेखक—

जैनधर्मदिवाकर, साहित्यरत्न, जैनागमरत्नाकर,

आचार्यसम्राट् परम श्रद्धेय

पूज्य श्री आत्माराम जी महाराज

प्रकाशक—

आचार्य श्री आत्माराम जैन प्रकाशनालय

जैनस्थानक, लुधियाना।